पूर्वांचल व बुंदेलखंड में विकास की रफ्तार बढ़ाएंगे औद्योगिक क्लस्टर

दोनों एक्सप्रेसवे के समानांतर स्थापित होंगे छह औद्योगिक क्लस्टर

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। सरकार ने बजट में पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के समानांतर छह औद्योगिक क्लस्टर स्थापित करने की घोषणा की है। इससे दोनों एक्सप्रेसवे के किनारे के जिलों का औद्योगिक विकास होगा। वैश्विक निवेशक सम्मेलन के जरिए यूपी में निवेश करने वाले उद्यमियों को इकाई स्थापित करने के लिए यहां जमीन दी जाएगी। इससे स्थानीय स्तर पर बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे लखनऊ से शुरू होकर बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, मऊ और गाजीपुर तक जाता है। बजट में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के समानांतर 4 औद्योगिक क्लस्टर स्थापित करने की घोषणा की गई है। इसके लिए सरकार ने संबंधित डीएम से प्रस्ताव मांगा है। इसी तरह बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे चित्रकूट से शुरू होकर बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया होते हुए इटावा (आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे) तक जाता है। इस पर दो औद्योगिक क्लस्टर बनेंगे। बुंदेलखंड को अब तक औद्योगिक विकास की दृष्टि से सबसे पिछड़ा क्षेत्र माना जाता है। औद्योगिक क्लस्टर बनने से बुंदेलखंड में बन रहे डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में स्थापित हो रहे उद्योगों को भी फायदा होगा।

औद्योगिक विकास एवं अवस्थापना आयुक्त अरविंद कुमार का कहना है कि औद्योगिक क्लस्टर से एक्सप्रेसवे के आसपास के जिलों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। औद्योगिक एरिया विकसित करने से ही एक्सप्रेसवे निर्माण का मकसद पूरा होगा। उद्योगों को अपना कच्चा माल लाने और तैयार उत्पाद भेजने के लिए भी आसानी से कनेक्टिविटी मिलेगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

जमीन का अधिग्रहण करेगी सरकार

बुंदेलखंड और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के पास औद्योगिक क्लस्टर स्थापित करने के लिए सरकार जमीन का अधिग्रहण करेगी। इसके लिए पहले दोनों एक्सप्रेसवे के किनारे सर्वे कराया जाएगा। सर्वे के बाद चिह्नित जमीन के अधिग्रहण की कार्यवाही की जाएगी।

घटेगी झांसी से दिल्ली की दूरी

सरकार ने बजट में झांसी लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण की घोषणा की है। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को झांसी से जोड़ने के लिए इसका निर्माण कराया जाएगा। इसके बनने के बाद झांसी से दिल्ली की दूरी कम होगी। वहीं झांसी भी औद्योगिक क्लस्टर के दायरे में आने से वहां भी औद्योगिक विकास बढ़ेगा। चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे बनने से बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे भी सीधे तौर पर चित्रकूट से जुड़ जाएगा। इससे चित्रकूट के साथ उसके आसपास के जिलों को फायदा मिलेगा। यूपीडा के सीईओ ने बताया कि दोनों लिंक एक्सप्रेसवे बनाने के लिए सलाहकार संस्था का चयन जल्द किया जाएगा। संस्था से लिंक एक्सप्रेसवे के मार्ग और लागत का आकलन कराया जाएगा।